Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University

(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 01 May 2024

Dainik Jagran Page - 02, 04

नैक ग्रेड से बढ़ी गोवि की प्रतिष्ठा

74वें स्थापना दिवस तक उपलब्धियों से विश्व पटल पर चमकने लगा विश्वविद्यालय

स्थापना दिवस पर विशेष

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : स्वतंत्र भारत में प्रदेश में स्थापित होने वाला पहला विश्वविद्यालय आज अपनी 74वीं वर्षगांठ मना रहा है। पहाड़ोन्मुख जुझारी से भरा एक कस्बा पूर्व दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय ने इन 74 वर्षों में विकास की तमाम सीढ़ियां चढ़ी। शिक्षा से लेकर राजनीति जगत को खेल से संबंधित जगत को एक से बढ़कर एक मैचा दी। पर बीते चार वर्ष में विश्वविद्यालय को जो उपलब्धियां हासिल हुईं, उसने इस विश्वविद्यालय का क्षेत्र चढ़ा दिया। इसे राष्ट्रीय स्तर के विश्वविद्यालय की कतार में खड़ा कर दिया।

इस दौरान विश्वविद्यालय को पहली बार नैक के 'ए' एक्स-लेवल ग्रेड हासिल हुआ। ग्रेड के सहारे ही इसे पीएमएचए का 100 करोड़ का अनुदान मिल गया। यही नहीं नैक के कार्यालय ग्रेड का ही प्रभाव है कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने विश्वविद्यालय को कैटेगरी-1 में जगह दे दी है।

अध्ययन-अध्यापन में हुए बदलाव पर अगर गौर करें तो विश्वविद्यालय करीब 70 सेमेस्टरवाले पाठ्यक्रमों के साथ देश के उन विश्वविद्यालयों की श्रेणी में खड़ा दिखता है, जो प्रतिभा घर के विद्यार्थियों को अपनी परिसर में अध्ययन के लिए आकर्षित करने में सफल हैं। सेमेस्टरवाले पाठ्यक्रमों को लेकर विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय सहमति दिलाने में जुटे। विश्वविद्यालय को नैक का 'ए' एक्स-लेवल ग्रेड और परिसर में 70 के करीब सेमेस्टरवाले पाठ्यक्रमों को शुरुआत उनके इसी प्रयास का नतीजा रही, जिसका लाभ आज भी विश्वविद्यालय को मिल रहा है। गोरखपुर सहा में 100 करोड़ रुपये मिलना और मुजीबों के कैटेगरी-1 में विश्वविद्यालय का शामिल हो पाना भी उसी बराबर से संभव हो पाया है।

स्तुतिगत्ते किसान टेस्ट मर में है नाम : केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल, पूर्व मुख्यमंत्री और बाहुबलि सिंह, पूर्व केंद्रीय मंत्री कल्याणचंद्र राय, साहित्य अकादमी के पूर्व अध्यक्ष पद्मश्री प्रो. विश्वनाथ तिवारी आदि।

विश्वविद्यालय से तय को कुलपति : प्रो. सीबिट पाण्डेय, प्रो. विद्यानिवास मिश्र, प्रो. एकादी नारीन, प्रो. आरपी सरोनी, प्रो. हरिकांत चौधरी, प्रो. एबी बनर्जी, प्रो. एनके सान्याल, प्रो. आरसी मेहरोत्रा, प्रो. मुरी सिंह, प्रो. कौरस पाठक, प्रो. बीबी सिंह चौहान, प्रो. देवेंद्र शर्मा, प्रो. सत्यप्रकाश सिंह, प्रो. निरंजनन मिश्र, प्रो. राधे मोहन मिश्र, प्रो. एके मिश्रा, प्रो. सुरेंद्र दुबे, प्रो. श्रीराजन मणि त्रिपाठी, प्रो. रामनिवास गोहिल, प्रो. पीजीमिश्र, प्रो. बेहान सिंह, प्रो. राजेश प्रसाद, प्रो. मुस्ती मनोहर पाठक, प्रो. संजीत कुमार गुप्ता।

गोरखपुर विश्वविद्यालय को मिला यूजीसी के श्रेणी-1 का दर्जा

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय को 74वें स्थापना दिवस के एक दिन पहले एक और बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। विश्वविद्यालय यूजीसी (विश्वविद्यालय अनुदान आयोग) की श्रेणी-1 में शामिल हो गया है। यूजीसी ने उसे यह दर्जा दिया है। इसके साथ ही विश्वविद्यालय देश के उन प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों की श्रेणी में शामिल हो गया है, जिन्हें यह सम्मानीय दर्जा प्राप्त है।

यह दर्जा यूजीसी विनियम-2018 के अनुसार शीर्ष प्रदर्शन करने वाले विश्वविद्यालयों में स्वायत्तता को बढ़ावा देने के यूजीसी के प्रयासों का हिस्सा है। कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि यूजीसी द्वारा भारत में उच्च शिक्षा संस्थानों को दी जाने वाली यह एक प्रतिष्ठित मान्यता है। कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय को इस ऐतिहासिक उपलब्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आभार ज्ञापित किया। डीडीयू प्रशासन के मुताबिक यूजीसी ने 16 अप्रैल को आयोजित अपनी 579वीं बैठक के दौरान श्रेणी-1 दर्जे के लिए डीडीयू के अनुरोध को मंजूरी दी है।

प्रवीण गोवि व डा. अशोक सिंह एमएमयूटी के एफसी बने

गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के वित्त नियंत्रक और मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के वित्त नियंत्रक संत प्रकाश सिंह मंगलवार को सेवानिवृत्त हो गए। शासन ने उनकी जगह गोरखपुर के मुख्य कोषाधिकारी प्रवीण कुमार सिंह को गोरखपुर विश्वविद्यालय के वित्त नियंत्रक का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा है। वीआरडी मेडिकल कालेज के वित्त नियंत्रक अशोक कुमार सिंह को मदनमोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के वित्त नियंत्रक की अतिरिक्त जिम्मेदारी दी गई है। शासन द्वारा वित्त अधिकारी बनए जाने के बाद जिले के मुख्य कोषाधिकारी प्रवीण कुमार सिंह ने विश्वविद्यालय पहुंचकर कुलपति प्रो. पूनम टंडन और कुलसचिव प्रो. शातनु रस्तोगी की मौजूदगी में कार्यभार ग्रहण किया। अशोक कुमार सिंह कुवार को प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के वित्त नियंत्रक का कार्यभार ग्रहण करने। दोनों संस्थानों में संत प्रकाश सिंह को सेवानिवृति पर भावभीनी विदाई दी गई। (जस)

अनुपस्थित शिक्षकों की कुलपति ने चाय पिलाकर ली क्लास

गोरखपुर : गोरखपुर विश्वविद्यालय में चल रही वार्षिक और सेमेस्टर परीक्षाओं में सोमवार को कक्ष निरीक्षक की ड्यूटी से अनुपस्थित रहे शिक्षकों की मंगलवार को कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने जमकर फटकारा। इस दौरान संबंधित शिक्षकों से कुलपति ने एक-एक कर कारण भी पूछा अनुपस्थित सभी शिक्षकों को कुलपति कार्यालय से फोन करके शाम पांच बजे चाय पर बुलाया गया। उन्हें कारण नहीं बताया गया था। कई शिक्षक गर्मजोशी से निर्धारित समय पर पहुंचे। चाय के दौरान कुलपति ने परीक्षा में अनुपस्थित रहने की चर्चा छेड़ दी। उन्होंने कारण भी पूछा। इस पर कुछ शिक्षकों ने अलग-अलग कारण बताए। कुलपति ने कहा कि यदि परीक्षा ड्यूटी में नहीं पहुंच पाते हैं तो इसकी सूचना केंद्राध्यक्ष को पहले दें और अपना विकल्प भी सुनिश्चित करें। (जस)

आज परास्नातक के मेधावियों को मिलेगा 112 स्वर्ण पदक

स्थापना दिवस समारोह में पुरस्कृत कराई जुगाड़ी, शिक्षक व विद्यार्थी - सौ. जोशी

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय का 74वां स्थापना दिवस बुधवार को मनाया जाएगा। कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल सभारोह की अध्यक्षता करेंगी। वे ऑनलाइन ही जुड़ेंगी। समारोह में वर्ष 2023 के परास्नातक के टॉपरों को भी स्वर्ण पदक प्रदान किया जाएगा। मंगलवार को समारोह की तैयारियों का पूर्वाभ्यास किया गया। दीक्षा भवन में आयोजित पूर्वाभ्यास में सभी मेडल विजेता शामिल हुए। विशिष्ट पुरातन छात्रों के स्थान पर प्रोफेसर अष्थास में शामिल हुए।

कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में आयोजित समारोह में विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक सहित कुल 112 स्वर्ण पदक से मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा। समारोह में मेधावियों विद्यार्थियों को 48 स्थापना दिवस समारोह में समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले विशिष्ट पुरातन छात्रों पद्म श्री प्रो. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, श्री चंद्रप्रकाश अग्रवाल, श्री अतुल सराफ, डॉ एल के पाण्डेय, श्रीमती निर्मला एस चंद्रा, पूर्व आईपीएस जितेन्द्र प्रताप सिंह एवं भारतीय राजस्व सेवा के डॉ स्वामी प्रकाश पाण्डेय को सम्मानित किया जाएगा।

सेमसंग इन्नोवेशन कैंपस का शुभारंभ

स्थापना दिवस समारोह में सेमसंग इन्नोवेशन कैंपस कार्यक्रम का भी शुभारंभ किया जाएगा। इस कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों के विकास का विकास होगा। उन्हें न्यू टेक्नोलोजी जैसे एआई, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, विग डाटा आदि में दक्ष किया जाएगा।

परीक्षा पोर्टल SERVE "सर्व" भी होगा लॉन्च

स्थापना दिवस समारोह में परीक्षा पोर्टल "सर्व" का भी शुभारंभ किया जाएगा। इस पोर्टल में माध्यम से विद्यार्थी अपने प्रमाण पत्र और डिग्री आदि की ऑनलाइन माध्यम से प्राप्त कर सकेंगे।

जाएगा सम्मानित

स्थापना दिवस समारोह में समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले विशिष्ट पुरातन छात्रों पद्म श्री प्रो. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, श्री चंद्रप्रकाश अग्रवाल, श्री अतुल सराफ, डॉ एल के पाण्डेय, श्रीमती निर्मला एस चंद्रा, पूर्व आईपीएस जितेन्द्र प्रताप सिंह एवं भारतीय राजस्व सेवा के डॉ स्वामी प्रकाश पाण्डेय को सम्मानित किया जाएगा।

सेमसंग इन्नोवेशन कैंपस कार्यक्रम का भी शुभारंभ

स्थापना दिवस समारोह में सेमसंग इन्नोवेशन कैंपस कार्यक्रम का भी शुभारंभ किया जाएगा। इस कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों के विकास का विकास होगा। उन्हें न्यू टेक्नोलोजी जैसे एआई, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, विग डाटा आदि में दक्ष किया जाएगा।

परीक्षा पोर्टल SERVE "सर्व" भी होगा लॉन्च

स्थापना दिवस समारोह में परीक्षा पोर्टल "सर्व" का भी शुभारंभ किया जाएगा। इस पोर्टल में माध्यम से विद्यार्थी अपने प्रमाण पत्र और डिग्री आदि की ऑनलाइन माध्यम से प्राप्त कर सकेंगे।

Inext Page -02, 04

पीजी के मेधावियों को आज मिलेगा 112 स्वर्ण पदक

कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल अध्यक्षता, दूरदर्शन छात्र होंगे सम्मानित

gorakhpur@inext.co.in

GORAKHPUR (30 April): दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय का 74वां स्थापना दिवस बुधवार को समारोहपूर्वक मनाया जाएगा। कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल समारोह की अध्यक्षता करेंगी। वे ऑनलाइन ही जुड़ेंगी। समारोह में वर्ष 2023 के परास्नातक के टॉपरों को भी स्वर्ण पदक प्रदान किया जाएगा। मंगलवार को समारोह की तैयारियों का पूर्वाभ्यास किया गया। दीक्षा भवन में आयोजित पूर्वाभ्यास में सभी मेडल विजेता शामिल हुए। विशिष्ट पुरातन छात्रों के स्थान पर प्रोफेसर्स अष्थास में शामिल हुए।

कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में आयोजित समारोह में विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक सहित कुल 112 स्वर्ण पदक से मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा। समारोह में मेधावियों विद्यार्थियों को 48 स्वर्ण पदक दिए जाएंगे।

सेमसंग इनोवेशन कैंपस का शुभारंभ

स्थापना दिवस समारोह में सेमसंग इनोवेशन कैंपस कार्यक्रम का भी शुभारंभ किया जाएगा। इस कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों के विकास का विकास होगा। उन्हें न्यू टेक्नोलोजी जैसे एआई, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, विग डाटा आदि में दक्ष किया जाएगा।

परीक्षा पोर्टल SERVE "सर्व" भी होगा लॉन्च

स्थापना दिवस समारोह में परीक्षा पोर्टल "सर्व" का भी शुभारंभ किया जाएगा। इस पोर्टल में माध्यम से विद्यार्थी अपने प्रमाण पत्र और डिग्री आदि की ऑनलाइन माध्यम से प्राप्त कर सकेंगे।

मानक वाले जर्नल की जानकारी आसानी से प्राप्त होगी और विद्यार्थी श्रेष्ठतम जर्नल में अपना शोधपत्र प्रकाशित करा सकेंगे।

मानक वाले जर्नल की जानकारी आसानी से प्राप्त होगी और विद्यार्थी श्रेष्ठतम जर्नल में अपना शोधपत्र प्रकाशित करा सकेंगे।

देश के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों की श्रेणी में मिला स्थान

गोरखपुर यूनिवर्सिटी को मिला यूजीसी के कैटेगरी-1 का दर्जा

विश्वविद्यालय के अनुरोध को यूजीसी ने दी अपनी मंजूरी

gorakhpur@inext.co.in

GORAKHPUR (30 April): दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय को 74वें स्थापना दिवस से एक दिन पहले एक और बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। विश्वविद्यालय यूजीसी (विश्वविद्यालय अनुदान आयोग) की श्रेणी-1 में शामिल हो गया है। यूजीसी ने उसे यह दर्जा दिया है।

इसके साथ ही विश्वविद्यालय देश के उन प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों की श्रेणी में शामिल हो गया है, जिन्हें यह सम्मानीय दर्जा प्राप्त है। विश्वविद्यालय में स्वायत्तता को बढ़ावा देने के यूजीसी के प्रयासों का हिस्सा है। इस उपलब्धि से उत्साहित कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि यूजीसी से मिली यह मान्यता शिक्षा और अनुसंधान में उत्कृष्टता के प्रति विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह उपलब्धि हमें नैतिकता उत्कृष्टता के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी। इस मौके पर अलकनंदा छात्रावास की अभिरक्षिका डॉ. मीतू सिंह, प्रो. शोभा गौड़, डीडीयू स्टेट डॉ. अमित उपाध्याय, अधीक्षिका डॉ. रंजन लता आदि मौजूद रहीं। संवाद

देश के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों की श्रेणी में मिला स्थान

गोरखपुर यूनिवर्सिटी को मिला यूजीसी के कैटेगरी-1 का दर्जा

विश्वविद्यालय के अनुरोध को यूजीसी ने दी अपनी मंजूरी

gorakhpur@inext.co.in

GORAKHPUR (30 April): दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय को 74वें स्थापना दिवस से एक दिन पहले एक और बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। विश्वविद्यालय यूजीसी (विश्वविद्यालय अनुदान आयोग) की श्रेणी-1 में शामिल हो गया है। यूजीसी ने उसे यह दर्जा दिया है।

इसके साथ ही विश्वविद्यालय देश के उन प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों की श्रेणी में शामिल हो गया है, जिन्हें यह सम्मानीय दर्जा प्राप्त है। विश्वविद्यालय में स्वायत्तता को बढ़ावा देने के यूजीसी के प्रयासों का हिस्सा है। इस उपलब्धि से उत्साहित कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि यूजीसी से मिली यह मान्यता शिक्षा और अनुसंधान में उत्कृष्टता के प्रति विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह उपलब्धि हमें नैतिकता उत्कृष्टता के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी। इस मौके पर अलकनंदा छात्रावास की अभिरक्षिका डॉ. मीतू सिंह, प्रो. शोभा गौड़, डीडीयू स्टेट डॉ. अमित उपाध्याय, अधीक्षिका डॉ. रंजन लता आदि मौजूद रहीं। संवाद

श्रेणी-1 में शामिल होने से मिलेगा यह लाभ

- विश्वविद्यालय को अधिक प्रशासनिक स्वायत्तता मिलेगी।
- राजकीयोय मामलों पर बेहतर नियंत्रण हो सकेगा।
- अनुसंधान और नवाचार केंद्र मजबूत होंगे।
- राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा में सुधार, दुनिया भर से शोधकर्ता और छात्र आकर्षित होंगे।

Rashtriya Sahara Page - 05

डीडीयू का 74वां स्थापना दिवस समारोह आज

डीडीयू के विशिष्ट पुरातन छात्रों को किया जाएगा सम्मानित : स्थापना दिवस समारोह में समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले विशिष्ट पुरातन छात्रों पद्मश्री प्रो. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, चंद्रप्रकाश अग्रवाल, अतुल सराफ, डॉ. एलके पाण्डेय, निर्मला एस चंद्रा, पूर्व आईपीएस जितेन्द्र प्रताप सिंह एवं भारतीय राजस्व सेवा के डॉ.स्वामी प्रकाश पाण्डेय को सम्मानित किया जाएगा।

सेमसंग इन्नोवेशन कैंपस का शुभारंभ होगा : स्थापना दिवस समारोह में सेमसंग इन्नोवेशन कैंपस कार्यक्रम का भी शुभारंभ किया जाएगा। इस कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों के विकास का विकास होगा। उन्हें न्यू टेक्नोलोजी जैसे एआई, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, विग डाटा आदि में दक्ष किया जाएगा।

परीक्षा पोर्टल सर्व भी लोन लान्च : स्थापना दिवस समारोह में परीक्षा पोर्टल सर्व का भी शुभारंभ किया जाएगा। इस पोर्टल में माध्यम से विद्यार्थी ऑनलाइन माध्यम से अपने ऑनवर्ष सर्टिफिकेट तथा डिग्री प्राप्त कर सकेंगे।

महाविद्यालयों की भी होगी सहभागिता : स्थापना दिवस समारोह में महाविद्यालयों के सहभागिता होगा। इसके साथ ही पुरा महोत्सव, सांस्कृतिक, क्रीड़ा प्रतियोगिताओं में राष्ट्रीय, राज्य या क्षेत्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सर्टिफिकेट प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय को इस ऐतिहासिक उपलब्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। डीडीयू प्रशासन के मुताबिक यूजीसी ने 16 अप्रैल को आयोजित अपनी 579वीं बैठक के दौरान श्रेणी-1 दर्जे के लिए डीडीयू के अनुरोध को मंजूरी दी है।

श्रेणी-1 में शामिल होने से मिलेगा यह लाभ

- विश्वविद्यालय को अधिक प्रशासनिक स्वायत्तता मिलेगी।
- राजकीयोय मामलों पर बेहतर नियंत्रण हो सकेगा।
- अनुसंधान और नवाचार केंद्र मजबूत होंगे।
- राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा में सुधार, जिससे यूनिवर्सिटी को अधिक अवसर मिलेंगे।

यूजीसी ने डीडीयू को प्रथम श्रेणी का दर्जा दिया

गोरखपुर (एसएनबी)। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय को श्रेणी-1 विश्वविद्यालय का दर्जा प्रदान किया है। गोरखपुर विश्वविद्यालय के लिए यह एक महत्वपूर्ण एवं ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है।

यूजीसी द्वारा दी जाने वाली यह मान्यता भारत में उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए एक प्रतिष्ठित मान्यता है। यह मान्यता यूजीसी (रेडेड स्वायत्ता प्रदान करने के लिए विश्वविद्यालयों का वर्गीकरण) विनियम 2018 के अनुसार शीर्ष प्रदर्शन करने वाले विश्वविद्यालयों में स्वायत्तता को बढ़ावा देने के लिए किया जाता है।

यूजीसी ने 16 अप्रैल, 2024 को आयोजित अपनी 579वीं बैठक के दौरान श्रेणी-1 दर्जे के लिए दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के अनुरोध को मंजूरी दे दी। इसके साथ ही यूजीसी विनियमों की धारा 4 में उल्लिखित कई लाभ प्राप्त है, जो शिक्षण और अनुसंधान में विश्वविद्यालय की उत्कृष्टता को मान्यता देता है।

विश्वविद्यालय को मिलेगा यह लाभ

विश्वविद्यालय को अधिक प्रशासनिक स्वायत्ता मिलेगी। राजकीयोय मामलों पर बेहतर नियंत्रण हो सकेगा। अनुसंधान और नवाचार केंद्रों को मजबूत करना, अधिक से अधिक अनुसंधान अवसरों, साझेदारी और ज्ञान सृजन को बढ़ावा देना। शैक्षणिक मानकों का रखरखाव और वृद्धि, शिक्षण, सीखने और अनुसंधान के स्तर को ऊपर उठाना। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठा में सुधार, दुनिया भर से शोधकर्ताओं, संकाय और छात्रों को आकर्षित करना। - व्यवसायों, अनुसंधान समूहों और अन्य संस्थानों के साथ गठबंधन और साझेदारी को प्रोत्साहित करना, सीखने और अनुसंधान के लिए एक जीवंत पारिस्थितिकी तंत्र बनाना। छात्र-केंद्रित रणनीतियों को अपनाना, छात्रों को अधिक आकर्षक और व्यक्तिगत सीखने अनुभव प्रदान करना शामिल शामिल हैं।

वैश्विक उत्कृष्टता को अनुकूल माहौल देगा श्रेणी-1 का दर्जा : कुलपति

कुलपति प्रो.पूनम टंडन ने कहा कि श्रेणी-1 का दर्जा हमें उच्च शिक्षा में वैश्विक उत्कृष्टता के लिए अनुकूल माहौल बनाने की दिशा में लिए गए कदमों को और सशक्त बनाएगा। यह हमारे शिक्षण, अनुसंधान और समग्र शैक्षणिक मानकों को बढ़ाने के लिए हमारे लिए नए रास्ते खोलेगा। दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय अपनी शैक्षणिक विरासत को और उत्कृष्ट और उसके बाहर उच्च शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए अपनी नई स्थिति का लाभ उठाने के लिए तत्पर है।

पीजी परीक्षाओं का परिणाम मई में निकालने की तैयारी

परास्नातकों की परीक्षा सत्र शीघ्र शुरू होगा

15 तक प्रायोगिक व मौखिक परीक्षाएं

डीडीयू प्रशासन ने दिनांक दिनांक दिनांक 15 मई तक हर सत्र में पीजी अंतिम वर्ष की प्रायोगिक व मौखिक परीक्षा करा दी। हर सत्र दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय प्रशासन की अपनी व्यवस्था करेगा, ताकि जल्द परिणाम दे सके।

प्रवीण गोरखपुर यूनिवर्सिटी व डॉ. अशोक एमएमयूटी के एफसी बने

विश्वविद्यालय कार्यालय में प्रवेश की प्रक्रिया शुरू

Hindustan Page - 05, 06

देश के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों की श्रेणी में शामिल हुआ डीडीयू

यूजीसी से गोरखपुर विवि को मिला श्रेणी-1 का दर्जा

उपलब्धि

- डीडीयू के अनुरोध को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने दी मंजूरी
- 74वें स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर मिली एक और उपलब्धि

श्रेणी-1 में शामिल होने से मिलेगा यह लाभ

- विश्वविद्यालय को अधिक प्रशासनिक स्वायत्तता मिलेगी। ● राजकीयोय मामलों पर बेहतर नियंत्रण हो सकेगा। ● अनुसंधान और नवाचार केंद्र मजबूत होंगे। ● अनुसंधान के अधिक अवसर मिलेंगे। ● राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा में सुधार, दुनिया भर से शोधकर्ता और छात्र आकर्षित होंगे। ● छात्र-केंद्रित रणनीतियों को अपनाया जा सकेगा।

यह मान्यता शिक्षा और अनुसंधान में उत्कृष्टता के प्रति विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। श्रेणी-1 का दर्जा हमें उच्च शिक्षा में वैश्विक उत्कृष्टता के लिए अनुकूल माहौल बनाने की दिशा में लिए गए कदमों को और सशक्त बनाएगा। - प्रो. पूनम टंडन, कुलपति, डीडीयू

डीडीयू का 74वां स्थापना दिवस समारोह आज, तैयारियां पूरी

गोरखपुर विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस समारोह के लिए विवि दीक्षा भवन में मंगलवार को कुलपति, शिक्षक व छात्र-छात्राओं ने रिहर्सल किया।

गोरखपुर, निज संवाददाता। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय का 74वां स्थापना दिवस बुधवार को धूमधाम से मनाया जाएगा। कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल समारोह की अध्यक्षता करेंगी। वे ऑनलाइन ही जुड़ेंगी। समारोह में वर्ष 2023 के परास्नातक के टॉपरों को भी स्वर्ण पदक प्रदान किया जाएगा। मंगलवार को समारोह की तैयारियों का पूर्वाभ्यास किया गया। दीक्षा भवन में आयोजित पूर्वाभ्यास में सभी मेडल विजेता शामिल हुए। विशिष्ट पुरातन छात्रों के स्थान पर प्रोफेसर अष्थास में शामिल हुए।

डीडीयू प्रशासन के मुताबिक सुबह 9 बजे रसायन विज्ञान विभाग में पारंपरिक रूप से पूजा-अर्चना कर स्थापना दिवस मनाया जाएगा। कुलपति प्रो. पूनम टंडन वहां पूजन में शामिल होंगी। केमिस्ट्री के विभागाध्यक्ष प्रो. उमेश नाथ त्रिपाठी के नेतृत्व में इसे लेकर मंगलवार को तैयारियां चलती रहीं। मुख्य आयोजन पूर्वाह्न 10:30 बजे से दीक्षा भवन में होगा।

नाम चमकाने वाले विद्यार्थी भी होंगे सम्मानित

सत्र 2023-24 में विभिन्न खेल, सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में राष्ट्रीय स्तर पर चमक बिखेरने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा। खिलाड़ियों रूबी कश्यप, रजना राजपूत, निशा, सपना पटेल, पूजा पटेल, खुशबू पटेल व बिट्टू को मंच से प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। राष्ट्रीय युवा महोत्सव में पदक जीतने वाले पिंचांर्थी भी सम्मानित किए जाएंगे।

परीक्षा पोर्टल 'सर्व' होगा लॉन्च

कुलाधिपति द्वारा स्थापना दिवस समारोह में परीक्षा पोर्टल 'सर्व' का भी शुभारंभ किया जाएगा। इस पोर्टल से विद्यार्थी अपने प्रमाण पत्र और डिग्री आदि को ऑनलाइन माध्यम से प्राप्त कर सकेंगे।

शोधपत्रों का प्रकाशन आसान बनाने की तैयारी

- मानक वाले जर्नल की जानकारी का लिंक वेबसाइट पर देगा डीडीयू
- अपने विषय के अनुरूप जर्नल का चुनाव कर सकेंगे विद्यार्थी

शोध के स्तर को बढ़ाने की दिशा में हम वेबसाइट के जरिए कुछ महत्वपूर्ण लिंक्स उपलब्ध करा रहे हैं। इनसे शिक्षकों एवं शोधार्थियों को अपने विषय के अनुरूप उपयुक्त जर्नल्स को चुनने की सुविधा मिलेगी। इससे विश्वविद्यालय की अंतरराष्ट्रीय छवि एवं रेंकिंग में भी सुधार आएगा। - प्रो. पूनम टंडन, कुलपति, डीडीयू

जानकारी पा सकेंगे। लिंक के माध्यम से विद्यार्थियों को यूजीसी केयर, स्कापस और वेब आफ साइंस के दायरे में शामिल जर्नल की सूची का स्रोत भी प्राप्त कर सकेंगे। इससे उन्हें श्रेष्ठ प्रकाशन के लिए मानक वाले दुनिया भर के जर्नल की जानकारी हो सकेगी और उससे संपर्क साधने में साधने में भी आसानी होगी।

डीडीयू के वेबसाइट प्रभारी डॉ अंबरीश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि किसी शोध की गुणवत्ता का आइना होता है, उससे जुड़े शोधपत्रों को प्रकाशन।

Swatantra Chetna Page 02 , 05

अलकनंदा महिला छात्रावास में कुलपति ने लगाया रुद्राक्ष

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के अलकनंदा महिला छात्रावास में कुलपति प्रोफेसर पूनम टंडन द्वारा रुद्राक्ष का पौधा लगाया गया।

छात्रावासियों को संबोधित करते हुए कुलपति ने कहा कि दुनिया में बढ़ते ग्लोबल वार्मिंग को रोकने के लिए पेड़ापौधे अति आवश्यक है। यही हमारे जीवन के आधार हैं इनके अस्तित्व के बिना हम जीवन की कल्पना नहीं कर सकते हैं।

आज दुनिया में बहुत ऐसे देश हैं जहां ऑक्सीजन लोगों को पर्याप्त मात्रा में नहीं मिल पाता है क्योंकि वहां पेड़ नहीं हैं।

अतः सभी छात्रावासी यह प्रण ले की देश के किसी भी हिस्से में नहीं एक पौधा अवश्य लगाए।

पौधारोपे लगाने के बाद उन्हें समुचित मात्रा में देखभाल भी करने रहें जिससे वह बड़े होकर मानव जीवन के लिए पर्याप्त ऑक्सीजन दे सके।

इस अवसर पर अलकनंदा छात्रावास की पूर्व अभिरक्षिका प्रोफेसर शोभा गौड़, अधिक्षका डॉक्टर कल्पना प्रोफेसर अनुपृति दुबे, छात्रावास की अभिरक्षिका डॉ. मीतू सिंह, आधिक्षका डॉक्टर रंजनलता, डॉ राजेश सिंह,डॉक्टर दुर्गेश पाल, डॉक्टर अनुपम सिंह, डॉ मुकेश कुमार, डॉ अभिषेक गुप्तवर, डॉक्टर अर्जुन सोनकर, विश्वविद्यालय के समति अधिकारी अमित उपाध्याय सहित अन्य कर्मचारी सैकड़ो की संख्या में छात्रावासी उपस्थित रहे।

आज मनाया जाएगा विवि का 74वां स्थापना दिवस समारोह

पूर्वाभ्यास कार्यक्रम में भाग लेते कुलपति शिक्षक गण तथा छात्र-छात्राएं।

- कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे कुलाधिपति
- 74वें स्थापना दिवस समारोह का पूर्वाभ्यास संपन्न
- मेडलिस्टों को मिलेगा 112 स्वर्ण पदक

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में 74 अप्रैल को होने वाले स्थापना दिवस समारोह के कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में आयोजित समारोह में विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक सहित कुल 112 स्वर्ण पदक से मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा। समारोह में मेधावियों को 48 स्वर्ण पदक दिए जाएंगे।

इसके साथ ही कुल महोत्सव, सांस्कृतिक, क्रीड़ा प्रतियोगिताओं में राष्ट्रीय, राज्य या क्षेत्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सर्टिफिकेट प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा।

समारोह में संबद्ध महाविद्यालयों का योगदान भी सुनिश्चित किया जाएगा, विश्वविद्यालय परिसर में महाविद्यालयों के हीरोंटा तथा बैनर लगाए जाएंगे और प्रबंधक गण को कार्यक्रम में आमंत्रित किया जाएगा।

गोवि यूजीसी के श्रेणी-1 विश्वविद्यालय में शामिल

- कुलपति ने कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति किया आभार व्यक्त

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय को श्रेणी-1 विश्वविद्यालय का दर्जा प्रदान किया है। विश्वविद्यालय के लिए यह एक महत्वपूर्ण एवं ऐतिहासिक उपलब्धि है। य